उद्देश्य - इस कोर्स का उद्देश्य विद्यार्थियों को ताल पद्धति, एकल वादन, संगत का विस्तृत ज्ञान देना और संगीत ग्रन्थों व संगीतज्ञों के जीवन से अवगत कराना है।

प्रथम सेमेस्टर

क्र0 सं0	**कोर्स का नाम**	**कोर्स कोड**	**अंक**	**श्रेयांक**
3	**तालों का अध्ययन I**	एम0पी**0**ए0एम0टी0 **- 502**	**100**	2
	इकाई **1 -** प्राचीन ताल पद्धति का अध्ययन एवं वर्तमान उत्तर भारतीय ताल पद्धति से तुलना।			
	इकाई **2 -** दक्षिण भारतीय ताल पद्धति का अध्ययन एवं उत्तर भारतीय ताल पद्धति से तुलना।			
	इकाई **3** - परिभाषा (मुखड़ा, मोहरा, कायदा, पेशकारा, रेला, रौ, दर्जेवाली गत, मंजेदार गत, तिस्त्र और मिस्त्र जाति की गत, चारबाग गत व परन)।			
	इकाई **4 -** संगीतज्ञों (उ0 अहमद जान थिरकवा, उस्ताद करामत उल्ला खाँ, पं0 किशन महाराज व नाना साहब पानसे) का जीवन परिचय एव भारतीय शास्त्रीय संगीत में योगदान।			
	इकाई **5 -** तालों का परिचय एवं लिपिबद्ध करना।			
	इकाई **6 -** तबले की रचनाओं (पाठ्यक्रमानुसार) को लिपिबद्ध करना।			
	इकाई **7 -** पाठ्यक्रम की तालों के ठेकों को लयकारी(दुगुन, तिगुन, चौगुन, आड़, कुआड़ व बिआड़) सहित लिपिबद्ध करना।			

नोट - विद्यार्थी प्रथम सेमेस्टर के पाठ्यक्रम के अन्तर्गत रखे गए तालों के अनुरूप अध्ययन करें।

प्रथम सेमेस्टर

विस्तृत ताल – तीनताल, आड़ाचारताल व धमार ताल

अविस्तृत ताल - चारताल, गजझम्पा, गणेश ताल व कहरवा ताल

सहायक/उपयोगी पाठ्य सामग्री -

1.वसन्त, संगीत विशारद, संगीत कार्यालय, हाथरस, उ**0** प्र**0**।

2. गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव, ताल परिचय (सभी भाग),संगीत सदन प्रकाशन, इलाहाबाद।

3. गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव, ताल प्रभाकर प्रश्नोत्तरी, संगीत सदन प्रकाशन, इलाहाबाद।

4. श्री मघुकर गणेश गोडबोले,तबला शास्त्र, अशोक प्रकाशन मंदिर, इलाहाबाद।

5. डॉ**0** आबान ई**0** मिस्त्री, तबले की बन्दिशे, संगीत सदन प्रकाशन, इलाहाबाद।

6. डॉ**0** अरूण कुमार सेन, भारतीय तालों का शास्त्रीय विवेचन, हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल।